परीक्षा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लेखक परिचय -- प्रेमचंद, कथा-सम्राट

» अनोखी परीक्षा की शुरुआत -- दीवान सुजानसिंह का विज्ञापन

» उम्मीदवारों की भीड़ और दिखावटी हॉकी का खेल

» असली परीक्षा -- किसान की मदद करने वाला युवक

» परिणाम -- दया और आत्मबल ही असली योग्यता

» भाव-वाचक संज्ञा और विपरीतार्थक शब्द

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. प्रेमचंद को 'कथा-सम्राट' क्यों कहा जाता है?

› उन्होंने समाज-सुधार और राष्ट्रीय भावना से जुड़ी अनेक कहानियाँ लिखीं
› उनकी कहानियाँ (जैसे ईदगाह, गुल्ली डंडा) आज भी बड़ों-बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं
› इसी असाधारण योगदान के कारण उन्हें कहानियों का 'सम्राट' कहा जाता है

उत्तर – प्रेमचंद को 'कथा-सम्राट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज-सुधार से जुड़ी अनेक श्रेष्ठ कहानियाँ लिखीं, जो आज भी बहुत लोकप्रिय हैं।

उदाहरण 2. दीवान सुजानसिंह के विज्ञापन में नए दीवान के लिए क्या शर्तें रखी गई थीं?

› ग्रेजुएट होना ज़रूरी नहीं बताया गया
› हृष्ट-पुष्ट (स्वस्थ) होना ज़रूरी बताया गया
› एक महीने तक उम्मीदवारों के आचार-विचार की जाँच होगी, विद्या से ज़्यादा कर्तव्य का महत्व दिया जाएगा

उत्तर – विज्ञापन में डिग्री को ज़रूरी नहीं बताया गया, पर स्वस्थ शरीर और एक महीने तक आचार-विचार की जाँच के आधार पर कर्तव्यनिष्ठा को असली कसौटी बनाया गया।

उदाहरण 3. 'बगुलों में हंस कहाँ छिपा हुआ है' -- इस पंक्ति का क्या भाव है?

› 'बगुले' यहाँ उन दिखावटी उम्मीदवारों के लिए प्रयोग हुआ है जो सिर्फ़ ऊपरी तौर पर योग्य दिखते हैं
› 'हंस' उस असली गुणी और ईमानदार व्यक्ति के लिए है, जो भीड़ में छिपा हो सकता है
› दीवान साहब इसी असली व्यक्ति को ढूँढ़ने की कोशिश कर रहे थे

उत्तर – इस पंक्ति का भाव है कि दीवान साहब भीड़ में दिखावटी उम्मीदवारों के बीच असली गुणी और ईमानदार व्यक्ति को पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

उदाहरण 4. बाकी खिलाड़ियों और उस युवक की प्रतिक्रिया में क्या अंतर था?

› बाकी खिलाड़ियों ने किसान को देखा, पर उनकी आँखों में सहानुभूति नहीं थी -- सिर्फ़ स्वार्थ और घमंड था
› युवक खुद घायल था, फिर भी किसान को देखते ही रुक गया
› उसने बिना किसी स्वार्थ के अपनी चोट की परवाह किए बिना किसान की गाड़ी निकालने में मदद की

उत्तर – बाकी खिलाड़ी स्वार्थी और उदासीन थे, जबकि वह युवक खुद घायल होने के बावजूद निःस्वार्थ भाव से किसान की मदद के लिए आगे आया -- यही अंतर उसे बाकी सबसे अलग बनाता है।

उदाहरण 5. दीवान सुजानसिंह ने जानकीनाथ को नया दीवान क्यों चुना?

› जानकीनाथ ने खुद घायल होते हुए भी एक ग़रीब किसान की मुसीबत में मदद की

› इससे पता चला कि उसके हृदय में दया (उदारता) और आत्मबल (वीरता से मुसीबत का सामना करना) दोनों हैं

› दीवान साहब को विश्वास था कि ऐसा व्यक्ति कभी ग़रीबों को नहीं सताएगा

उत्तर – दीवान सुजानसिंह ने जानकीनाथ को इसलिए चुना क्योंकि उसने किसान की मदद करके अपने हृदय की दया और आत्मबल दोनों साबित किए, जो एक अच्छे दीवान के लिए सबसे ज़रूरी गुण हैं।

उदाहरण 6. 'स्वार्थ था, मद था, मगर उदारता और वात्सल्य का नाम भी न था' वाक्य में से भाववाचक संज्ञाएँ चुनें, और 'कम' का विपरीतार्थक शब्द बताएं।

› वाक्य में स्वार्थ, मद, उदारता, वात्सल्य -- ये सभी मन के भावों के नाम हैं, इसलिए भाववाचक संज्ञा हैं

› 'कम' शब्द का विपरीत अर्थ बताने वाला शब्द है 'अधिक'

उत्तर – भाववाचक संज्ञाएँ हैं -- स्वार्थ, मद, उदारता, वात्सल्य; और 'कम' का विपरीतार्थक शब्द है 'अधिक'।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• लेखक-परिचय में असली नाम (धनपतराय), उपाधि (कथा-सम्राट), और दो-तीन रचनाओं के नाम याद रखें, यह सामान्य प्रश्न है।

• 'महाराज ने दीवान को उत्तराधिकारी चुनने का काम किस गुण के कारण सौंपा' -- उत्तर है 'नीतिकुशलता', यह ध्यान से चुनें।

• हॉकी के खेल को असली 'परीक्षा' न समझें -- यह सिर्फ़ भूमिका (background) है, असली परीक्षा अगले भाग में किसान वाली घटना में होती है।

• 'मगर उन आँखों में सत्कार था, इन आँखों में ईर्ष्या' -- यह पंक्ति बाद में आती है (जब युवक की पहचान होती है); ध्यान रखें कि यह किसान वाली घटना के तुरंत बाद नहीं, परिणाम वाले भाग में है।

• 'परीक्षा' शीर्षक की सार्थकता वाले प्रश्न में हमेशा लिखें कि असली परीक्षा हॉकी नहीं, बल्कि किसान की मदद करने का पल था।

• विपरीतार्थक शब्दों का मिलान करते समय जल्दबाज़ी न करें -- स्तंभ 1 और स्तंभ 2 के शब्दों को ध्यान से पढ़कर सही जोड़ी बनाएं, कई शब्द मिलते-जुलते लग सकते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› प्रेमचंद (धनपतराय), 1880-1936, 'कथा-सम्राट'; प्रसिद्ध रचनाएँ - ईदगाह, बड़े भाईसाहब, गुल्ली डंडा।

› दीवान सुजानसिंह - 40 साल सेवा, रिटायरमेंट माँगी; विज्ञापन में डिग्री नहीं, कर्तव्य-निष्ठा को महत्व दिया गया।

› सैकड़ों उम्मीदवार आए, हॉकी खेली गई (सिर्फ़ प्रदर्शन); दीवान साहब असली गुणी व्यक्ति (हंस) ढूँढ़ रहे थे भीड़ (बगुलों) में।

› किसान की गाड़ी नाले में फँसी; बाकी खिलाड़ी उदासीन रहे, पर एक घायल युवक ने निःस्वार्थ मदद की।

› जानकीनाथ - दया और आत्मबल के कारण नया दीवान चुना गया; असली परीक्षा किसान की मदद वाली घटना थी।

› भाववाचक संज्ञा = भाव के नाम (दया, ईर्ष्या); विपरीतार्थक शब्द जोड़े जैसे आना-जाना, हार-जीत, दयालु-निर्दयी।